Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev Lyrics in Hindi English

Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev Lyrics in Hindi

जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ।
अखिल सृष्टि में कोटि-कोटि जन,
करें तुम्हारी सेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

जा पर कुपित होउ तुम स्वामी,
घोर कष्ट वह पावे ।
धन वैभव और मान-कीर्ति,
सब पलभर में मिट जावे ।
राजा नल को लगी शनि दशा,
राजपाट हर लेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

जा पर प्रसन्न होउ तुम स्वामी,
सकल सिद्धि वह पावे ।
तुम्हारी कृपा रहे तो,
उसको जग में कौन सतावे ।
ताँबा, तेल और तिल से जो,
करें भक्तजन सेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

हर शनिवार तुम्हारी,
जय-जय कार जगत में होवे ।
कलियुग में शनिदेव महात्तम,
दु :ख दरिद्रता धोवे ।
करू आरती भक्ति भाव से,
भेंट चढ़ाऊं मेवा ।
जय शनि देवा, जय शनि देवा,
जय जय जय शनि देवा ॥

॥ श्री शनि देव आरती-2 ॥
चार भुजा तहि छाजै,
गदा हस्त प्यारी ।
जय शनिदेव जी ॥

रवि नन्दन गज वन्दन,
यम अग्रज देवा ।
कष्ट न सो नर पाते,
करते तब सेवा ॥

जय शनिदेव जी ॥

तेज अपार तुम्हारा,
स्वामी सहा नहीं जावे ।
तुम से विमुख जगत में,
सुख नहीं पावे ॥
जय शनिदेव जी ॥

नमो नमः रविनन्दन,
सब ग्रह सिरताजा ।
बन्शीधर यश गावे,
रखियो प्रभु लाजा ॥
जय शनिदेव जी ॥

Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev Lyrics in English

Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.
Akhil Srishti mein koti-koti jan,
Karein tumhari seva.
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Jaa par kupit hou tum Swami,
Ghor kasht vah paave.
Dhan vaibhav aur maan-kiirti,
Sab palbhar mein mit jaave.
Raja Nal ko lagi Shani Dasha,
Rajpaat har lewa.
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Jaa par prasann hou tum Swami,
Sakal siddhi vah paave.
Tumhari kripa rahe to,
Usko jag mein kaun satave.
Tamba, tel aur til se jo,
Karein bhaktjan seva.
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

Har Shaniwaar tumhari,
Jai-Jai kar jagat mein hove.
Kaliyug mein Shani Dev mahatam,
Dukh daridrata dhove.
Karoo aarti bhakti bhaav se,
Bheint chadhaoon mewa.
Jai Shani Deva, Jai Shani Deva,
Jai Jai Jai Shani Deva.

 Shri Shani Dev Aarti-2
Chaar bhujha tahi chhajai,

Gada hast pyaari.
Jai Shanidev Ji.

Ravi Nandan Gaj Vandan,
Yam Agrj Deva.
Kasht na so nar paate,
Karte tab seva.
Jai Shanidev Ji.

Tej apaar tumhara,
Swami saha nahi jaave.
Tumse vimukh jagat mein,
Sukh nahi paave.
Jai Shanidev Ji.

Namo Namah Ravinandan,
Sab grah sirataja.
Banshidhar yash gaave,
Rakhiyo Prabhu laaja.
Jai Shanidev Ji.

About Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev in English

“Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev” is a powerful devotional bhajan dedicated to Lord Shani, the celestial deity associated with the planet Saturn. In Hindu mythology, Lord Shani is known as a god who brings justice, rewards, and punishments based on one’s karmas. This aarti is a plea for Lord Shani’s blessings, protection, and mercy, acknowledging his crucial role in the cosmic order.

The lyrics of this bhajan praise Lord Shani’s strength, his unwavering justice, and his ability to influence the lives of individuals. It speaks about the dual nature of Lord Shani – he can either bring immense difficulties or blessings, depending on one’s actions. The aarti acknowledges that when Lord Shani is pleased, devotees are blessed with success, prosperity, and peace.

The bhajan also emphasizes the importance of devotion and service to Lord Shani, such as offering oil, sesame seeds, and performing rituals on Saturdays (the day dedicated to Lord Shani). The chanting of this aarti brings peace and relief from hardships, ensuring that Lord Shani’s blessings guide individuals towards the right path.

Overall, “Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev” serves as a reminder of Lord Shani’s power and justice, while invoking his divine blessings for a balanced and prosperous life.

About Aarti Shri Shani Jai Jai Shani Dev Lyrics in Hindi

“आरती श्री शनि जय जय शनि देव” भजन के बारे में

“आरती श्री शनि जय जय शनि देव” एक भक्ति भजन है, जो भगवान शनि देव की स्तुति करता है। शनि देव को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है, जो व्यक्ति के अच्छे और बुरे कर्मों के आधार पर उनके जीवन में सुख और दुःख लाते हैं। इस भजन में भगवान शनि की महिमा, उनके न्यायप्रिय स्वभाव और उनके आशीर्वाद की प्राप्ति की प्रार्थना की जाती है।

भजन में शनि देव के बारे में यह कहा गया है कि जो भक्त उनके आशीर्वाद से प्रसन्न होते हैं, वे जीवन के हर कठिनाई से उबर सकते हैं। भजन में शनि देव की शक्ति और उनके द्वारा प्रदान किए गए न्याय का भी बखान किया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जो व्यक्ति शनि देव की पूजा और सेवा करता है, उसके जीवन में समृद्धि, शांति और सफलता आती है।

यह आरती शनि देव के प्रति श्रद्धा और समर्पण को व्यक्त करती है और भक्तों को यह याद दिलाती है कि शनि देव के आशीर्वाद से जीवन में आने वाली सभी बाधाओं को दूर किया जा सकता है। भजन का उद्देश्य शनि देव से आशीर्वाद प्राप्त करना और अपने जीवन में शांति और संतुलन स्थापित करना है।